

Cepr-N. 263/08



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

70AC 273619

नमो देवो 110000 रु. 124000 रु. 147200 रु. 847/मुह 3/2

100 रु. के साथ देना प्रति लगाने है

नमो देवो

पुनः

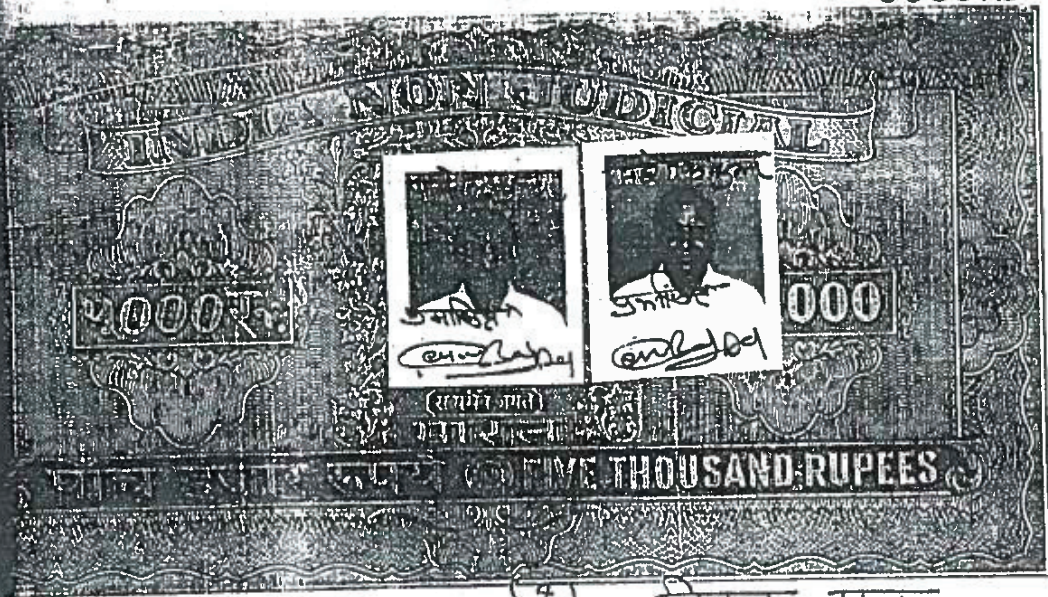
दि. 16.12.15
26-5-015

✓



847
2002

5000Rs.



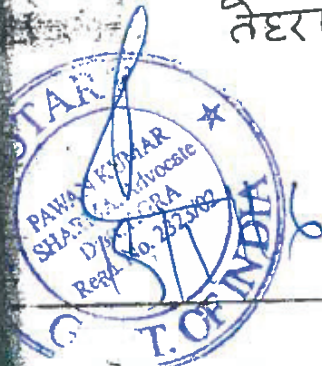
(क) विक्रय - पत्त

वि-मू० - ११००००/-
मालिपत - १२५०००/-
पर - ०००००/- उत्ति वीध
रुपय - १२०० + २६००/-
प्रोजा - तैहरा



सक त २००० सीट की अधिक
और भी अधिक

मैं कि अशोक कुमार पुत श्री डाल्मचंद
कोम वैश्य अग्रवाल निवासी सैंचा न
हाल निवासी २५/५३ B गौधीनगर
आगरा जिला आगरा का हूँ। जो
कि मैं मुक्ति आराजी बाबू मौजा
तैहरा तहसील खैरागढ़ जिला आगरा



पता.....
सुना.....

सिव नि



के गारा सेरखा (2) १२३ मि० रक्का
 २॥१२ + १० लगानी १-५६० रु का
 संक्र मणीय भूमिधार भालिक आविज
 व स्वामी व दरील हूँ। जिसमे मेरे
 अलावा अन्य कोर हकदार व हिस्सेदार
 आदि नहीं है जो कि मेरे किसी उफा
 के दस्ततख आदि मे बाधक हो
 सके। उक्त भूमि ग्राम (नाम) सीलिंग
 व पट्टे आदि की नहीं है तथा आज

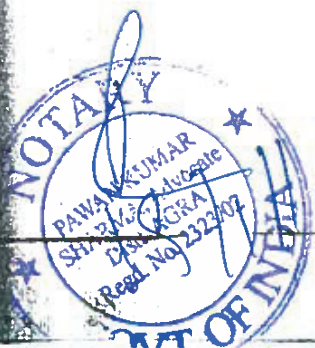


पढ़ा.....
 सुना.....

ॐ नमो



(३)
 तक हर प्रकार के कृण व भाव
 दान व बे० व मु० के आदि से -
 कतरि पाक व साफ है । अब चूंकि
 मित मुक्ति को स्व आवश्यकताओं की
 पूर्ति हेतु संपत्ति की अति आवश्यकता
 है, इसलिए उपरोक्त कुलश्रमि का
 विक्रय काका सहर्ष स्वीकार है । अतः
 सब सोच समझकर उपरोक्त कुलश्रमि

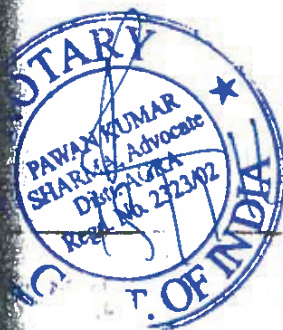


पढ़ा.....
 सुना.....



(५)

का विरूप मप जुला एक व एक व समस्त
 सुरव साधन आदि के वरेवज रु० ११००००/-
 एक लाख दस हजार रूपया में जिनके आधे
 रु० ५५०००/- पचपन हजार रूपया होते हैं
 बदस्त श्री डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुन
 श्री विजय कुमार गुप्ता वई सिपत निदेशन
 शांतिनिकेतन कॉलेज ऑफ विजनिन -
 मैनेजमेंट एण्ड कंप्यूटर साइंस, ^{२/२६२} नामनेर
 जिला आगरा के नाम कर दिया व
 कर्त बेच दिया । उक्त विक्रीत धन
 कुल मुबलगा ११००००/- एक लाख दस



पता
 मुद्रा.....

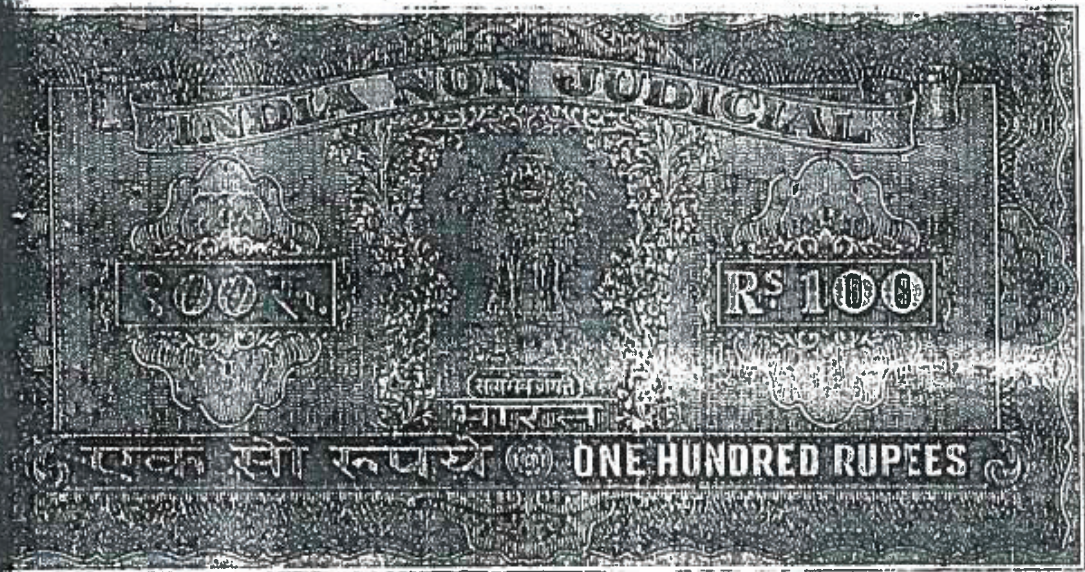
३० ति०



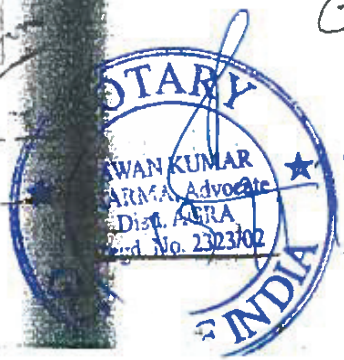
(५)
 हजार रुपया सुरता की दृष्टि से पेशतर
 धर पर प्राप्त कर लिये हैं। इस तरह का
 बेंगला में रा. कद भी प्राप्त करना शेष नहीं रहा
 है और न भविष्य में होगा। बेंगला भूमि
 पर कब्जा व फरवला में उक्त को दे दिया
 है तथा मालिक का बिज व ह्वासी बना दिया
 है। कदां उक्त को आवेका होगा कि वह
 बेंगला भूमि पर चौदें जिस तरह का लाभ
 उठावे तथा अपने नाम का दाखिल-खानि
 महकमा माल में करा ले। जिसमें मेन मुक्ति को
 कोई इजर न होगा। बेंगला राजा में कानूनी
 बुकशा की गारंटी में मुक्ति की होगी। कि
 उक्त बेंगला भूमि में मुक्ति व कारिसान
 मेरे का कोई सम्बन्ध न सौकार नहीं रहा
 है और न भविष्य में होगा।



Handwritten signature and a checkmark.



(E)
 योग्य शर्तों के तहत सिंचित है। तथा सड़क से
 200 मीटर की अधिक दूरी पर स्थित है। उक्त
 शर्तों की मान्यता निम्नलिखित 60000/- प्रति
 बीघा से रु० 115000/- रूपय होती है जिस
 पर स्याम्य अदा किया गया है। मैं मुक्ति अनुसंधित
 जाति, जनजाति का नहीं हूँ। अतः रश्मि सोम्य
 स्वसक्त (चालीस निम्न प्रभु बड़े शक्ति के
 विला वदमादि व विला लेवन किसे किसी -
 मादक पदार्थ के व विला किसी दवावना जायज
 के रखे हुए व सगुण्य (पद विक्रय-पत्र लिख
 दिया कि खनद रई व सगुण पर काम आवें।
 लेख दिनांक 20-2-2022 ई० वमलम प्रवेश-चन्द्र
 बंसल एडवोकेट तहसील कोट खेरागढ़ जिला
 भागल। मुक्ति व केला-चन्द्र के कोले शब्दों
 से मिलाकर प्रमाणित कर दिया है। नोट



16

महोदय
 महोदय

✓

20 Rs.



(6)
पर्व ६ वीं स्तर २ में पर गंगा तट पर है जो—
स्वीकार है / तट पर तटीय सन सार /

[Signature]
30-3-2002

[Signature]
[Signature]

गवाह श्री— शजिन्द कुमार पुत श्री कामता—
जसाद निवासी कचहरी घाट
कागल नि— कागल ।

[Signature]
[Signature]

गवाह श्री— कामता जसाद पुत श्री फकीरचंद
नि० कचहरी घाट कागल
जि०— कागल ।



कागल नि— कागल ।

पर्व...
गवाह...

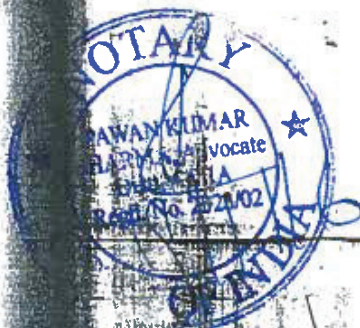
२० नि०

5000Rs.



(८)
सुकरि पद है कि पति-१ की

विवरण कॉलम में भालियत-

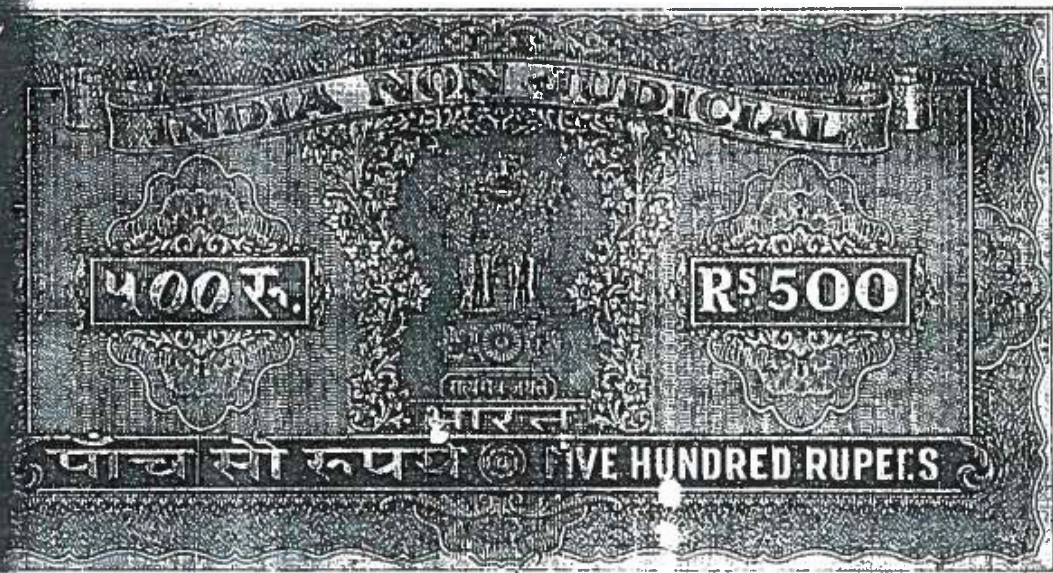


Dr. ...
Mr. ...

पति.....
पति.....

३०/१०

500Rs.

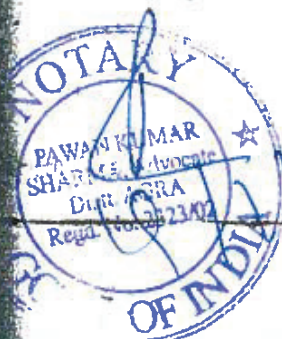


१-८४०००/- गंदा तहरीर है व

परि ६ वीं सतर ५ में रु०

माना
माना

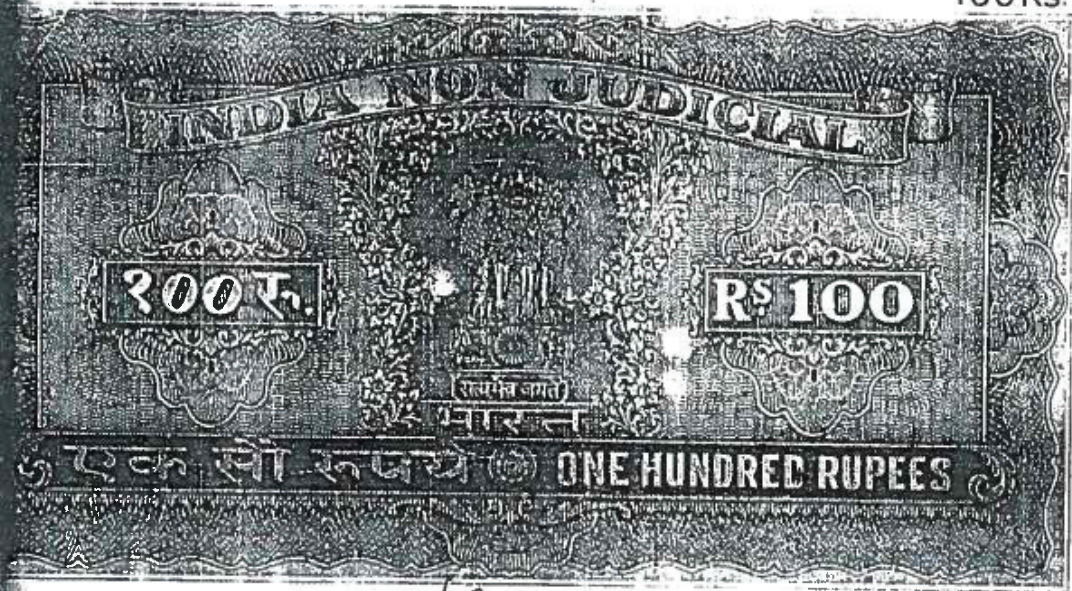
Ami



पता.....
नाम.....

२०/१०

100Rs.

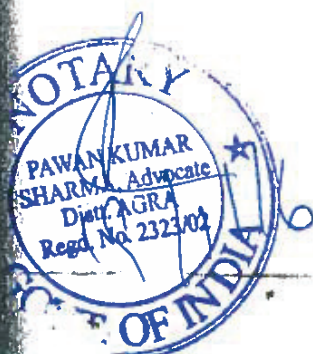


(१०)
१-८५०००/- गंदा लक्ष्मीर है

जो स्वीकार है व पते रंकी
सतर-८ में सारंस व आगरा के मध्य
वलापे सतर २/३६२ नामनेर दर्ज है व
स्वीकार है। तद्वीर लारील अन
सर ।

[Signature]
3-3-2002

From
To



पड़ा.....
गुना.....

३०/३/०२

ec/22 10.268/04



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

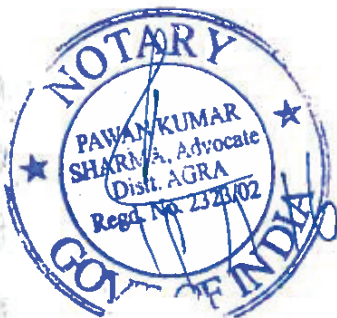
70AC 273622

नमो भूमिपाला नमो भूमिपाला 100 L & N 856/3-3-2002

7 100 रु. के लक्ष दान प्रति लक्ष है

नमो भूमिपाला
नमो भूमिपाला
26-5-115

✓





(१)

गुह्य-पत्र

भोजा - तैदरा

र-गाम - १००/-

हम कि अशोक कुमार पुत्र श्री डालरूप कोत्र
 लेश्वर अग्रवाल निवासी सेंपा व डाल निवासी
 २५/५३ B गौधीनगर आगरा जिला आगरा -
 (प्रथम पक्षकार) व डा० अभिषेक कुमार गुप्ता
 पुत्र श्री विजय कुमार गुप्ता बँटसिपत निदेशक
 शांतिनिकेतन कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट
 रज्ज कम्प्लेक्स समेस २/३६३ नामनेर आगरा
 जिला आगरा (द्वितीय पक्षकार) हैं। विदित
 है कि वदितोक्त २०-२-२००२ ई. को भोजा तैदरा
 वदलील खेरागढ़ जिला आगरा के गारा संख्या
 १२३/मि० खणवा २॥१२-१० लगानी १००० रु.
 का बेंनामा मुस प्रथम पक्षकार डा० द्वितीय
 पक्षकार के नाम बेंनामा तत्कालीन विभागा
 जितकी रजिस्ट्री उपनिबन्धक कार्यालय खेरागढ़,



पढ़ा.....

सुना.....

उ० वि०



(२)
 में वरिष्ठ ३०-३-१९०२ ई. की छति पुस्तक
 संख्या १ खण्ड संख्या ७६५ के पृष्ठ नम्बरान
 ११/३-२० के क्रमोक्त २४७ पर की गई है।
 खत लेखपत्र में गाथा संख्या १२३ मि०
 - यकबकी दोरात का पुराना नम्बर है जबकि
 - यकबकी बंद का नया नम्बर २६० का
 रकवा ०.६०५० है। लगानी ११.६० रु० है।
 पुराने नम्बर १२३ मि० का रकवा जो -
 नामा में संदर्भित है वह २॥१२ + १०
 है। इस तरह पुराने नम्बर के रकवा
 व नये नम्बर के रकवा में कोई २४
 अन्तर नहीं है। अतः मूल प्रलेख
 में १२३ मि० रकवा २॥१२ + १० लगानी
 ११.६० रु० के स्थान पर
 नया नम्बर



पढ़ा.....
 सुना.....

20 Rs.



(२)

२६० रु शकवा ०.६०५० रु लगानी

११० रु. कीही पढा जाय

जो शक व यथायुक्त है जो दोनो

जो को स्वीकार है व स्वीकार

होगा। - महः स्वेच्छा पूर्वक -

वेला सेवन किये किसी भाव

पदायुक्त व बिला किसी दबाव

भावायुक्त व बिला बहमायुक्त



पद.....
सुना.....

10/10

20 Rs.



શ્રવ પત્ર - છુન વ (મમસવક) પદ

પ્રદિ પત્ર લિલ દિપા શિ સનદકિ

: રદે વ (મમપ પદ વ્કાન અવે)

લેસવ દિનેક ૧-૫-૨૦૦૨ રૂ વમલન -

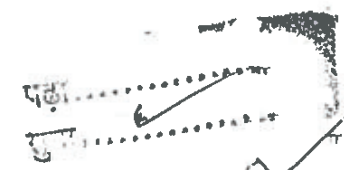


મો. નં. ૨

મો. નં. ૨

મો. નં. ૨

મો. નં. ૨



રૂ નિર્ધાર



प्रदेश-चन बेसल एडकोरे तहसील खेगाव आगा
 उभयपक्षों को कोटो शक्ति में मिलकर प्रमाणित कर
 दिया है। तहसील तहसील सुनार/नोरपरी-२ की
 सतर १५ में के व नया के मध्य लिखा करा है तथा उसे
 "नोरपरी" स्थान पर "वलापे सतर लिखा है
 तहसील पर ३ की सतर २ में को ही वा नया - के मध्य
 लिखा करा है जो स्वीकार है। त. ग. सन
 २०२२/ १५/४

१५/४/२०२२

१५/४/२०२२

१५/४/२०२२

१५/४/२०२२

राष्ट्र - प्रमाणित फल स्वामी गरीबचन
 नि. ४०२ जाकोर, आगा। १५/४/२०२२

गवाह श्री - प्रदेश-चन बेसल एडकोरे
 तहसील कोटो खेगाव आगा।
 वल्लभ सिंह



१५/४/२०२२

१५/४/२०२२

१५/४/२०२२

१५/४/२०२२

Cc/2 N. 265/012

भारतीय गैर न्यायिक

दस
रुपये

रु.10



TEN
RUPEES

Rs.10

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

70AC 273678

मकान 21 दिक्कत - अलकपट रकम 100/- रु. 73/17-1-05

10% (रकम) के साथ दायर प्रति लगाया है

मकान मालिक

अलकपट

10 दि.

26-5-012





शुद्धी पत्र

हम कि राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कामता प्रसाद कौम वैश्य अग्रवाल निवासी 434 कंधरपी
 घाट आगरा जिला आगरा ---- प्रथम पक्षकार ---- शान्ति निकेतन कालेज
 आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस द्वारा निदेशक डा० अभिषेक
 कुमार गुप्ता पुत्र श्री बिजय कुमार गुप्ता निवासी 2/363 नामनेर आगरा - विदेशी पक्षकार
 है विदित हो कि मुझ प्रथम पक्षी के निबन्धक विदेशी पक्षकार के एक पंजीकृत बेनामा
 दिनांक 30-3-2002 को आराजी बाके मोजा तेहरा परगना छोरागढ़ जिला आगरा
 के गाटा संख्या 259 गरका 1-1984 EU 31-20 पेसा विधा है जिस की
 रजिस्टरी 90 गुठ संख्या 1 के छान्ड संख्या 764 के प्रठ संख्या 339/360 की क्रम
 संख्या 8 46 पर दिनांक 30-3-02 को उप निबन्धक महोदय छोरागढ़ में की
 गई है। विदित हो कि उक्त बेनामा में डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री
 बिजय कुमार गुप्ता बहैसियत निदेशक शान्ति निकेतन कालेज आफ बिजनेस
 मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस 2/363 नामनेर आगरा जिला आगरा भूलवसा
 लिखा गया है। जब कि उक्त बेनामा में क्रेता / विदेशी पक्षकार शान्ति
 निकेतन कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस आगरा द्वारा
 निदेशक डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री बिजय कुमार गुप्ता निवासी 2/363
 नामनेर आगरा अंकित होना चाहिये था। मूल अभिलेखा में डा० अभिषेक
 कुमार गुप्ता पुत्र श्री बिजय कुमार गुप्ता बहैसियत निदेशक शान्ति निकेतन
 कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस 2/363 नामनेर आगरा जिला
 आगरा के स्थान में पर शान्ति निकेतन कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड
 कम्प्यूटर साइंस आगरा द्वारा निदेशक डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री
 बिजय कुमार गुप्ता निवासी 2/363 नामनेर आगरा पढा जाय जो सत्य स्वम सही है।



Signature
 Rishyachand

पढ़ा.....
 सुना.....
 23/10



-2-

जिस में हम दोनों पक्षकारान पूर्ण रूप से सहमत हैं । उक्त श्रुद्धी पत्र से दस्तावेज में कोई बिगने विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है अतः हम दोनोंपक्षकारान ने स्वस्था धित्त मन पुष्टि इन्द्रिय के व डूब सोप समक्ष कर यह श्रुद्धी पत्र लिखा दिया रिकानद हो और समय पर काम आवे लेखा दिनांक 10-1-2005 व मसोदा प्रदीप कुमार ब्रुल श्रेष्ठ सडवोकेट तहसील खोरागढ जिला आगरा । व टाइप बाई रोशन छां टाइपिस्ट तहसील खोरागढ जिला आगरा प्रथम पक्षकार व विद्वतीय पक्षकारान के फोटो सड0 ब्यारा शक्त से प्रमाणित है। नोट- पर्त 1 की सतर 19 में स्थान व पर के मध्य का लिखा कटा है व पर्त 2 की सतर 2 में कोई व विपरीत के मध्य का लिखा कटा है जो स्वीकार है तहरीर तारीखा सन सदर । नोट- पर्त 1 की सतर 7 में रक्मा व लगानी केमध्य का लिखा कटा है उरा केम्पर 1-1984 हे0 लिखा है व सतर 14 में मैनेजमेंट गन्दा तहरीर है जो स्वीकार है । पर्त 1 की सतर 4 में धिजयकुमार व निवासी के मध्य गुप्ता बालाये सतर लिखा है व सतर 2 में धिजयकुमार व निवासी के मध्य गुप्ता बालाये सतर लिखा है जो स्वीकार है ।

[Handwritten signatures]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

गवाह - 3. शोभन कुमार पुत्र शालचंद
नि. 31/1/2005 तह खोरागढ जिला

-31/1/05-

Kuldeep Shrivastava
कुलदीप शिवराज शिवराज जगतनरुप शिवराज
नि. 31/1/05 तह खोरागढ जिला

Kuldeep Shrivastava



पता.....
रुमा.....
उम ति०

Cchd. N. 266/12



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

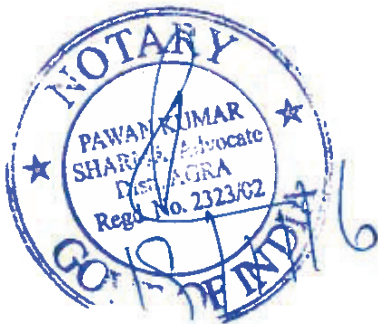
70AC 273620

नकाब वेगम कालपछय 23120L द. 846/30-3-02

10L छाम के लख दाम, 5रुते लका रहे

✓

नकाब वेगम
दि. 26-5-01
26-5-01

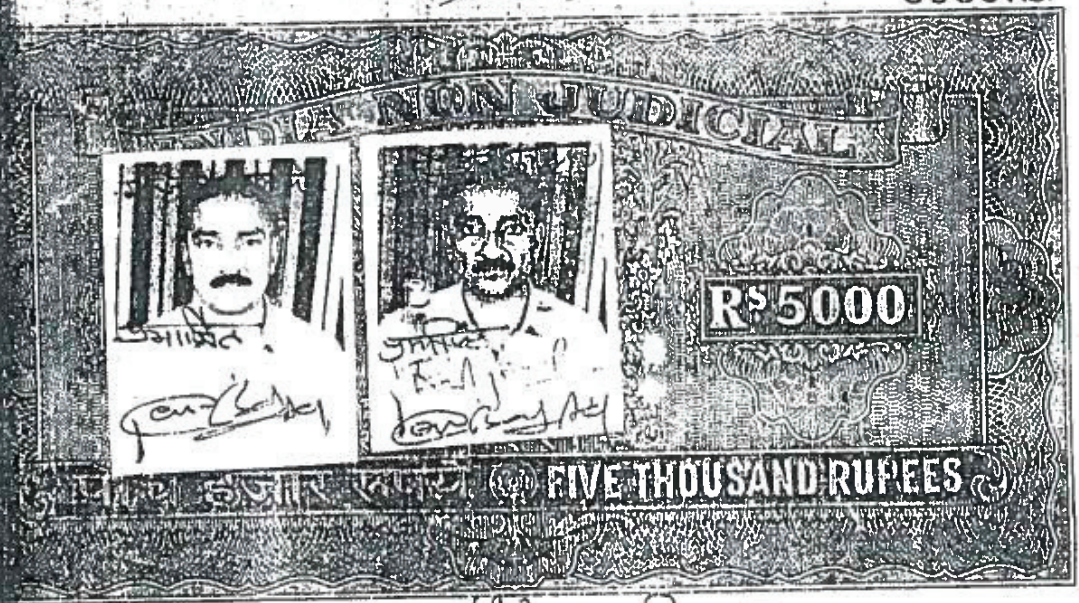


5000

846
2002

5000Rs.

होतम सिंह सि
भारतीय न्यायालय
भारतीय न्याय



(१) विक्रय पत्र

वि० म० - ३५००००/-
मालिक - ३५५०००/-
दर - ७००००/- प्रति बीघा
रुपय - २८५१०/-
मोजा - तेहरा

साक्ष से २०० मीटर की अधिक
इसी पर लिखित

मैं कि राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कामताप्रसाद
कौम वैश्य अग्रवाल निवासी ५३४ कचहरी
घाट अगा जिला आगरा का हूँ। जो कि
मैं मुक्ति आजी बॉके मोजा तेहरा
तहसील खेरागढ़ जिला आगरा के गारा
सरणा २१.१ ग रकवा १.१-८.५ ह० -



1. श्री गणेश
2. श्री गणेश

पढ़ा.....
सुना.....

२९/१०

5000Rs.



(२)
 लगानी ३१-१० बर का संकृमणपि शमिधर
 मालिक काविज व ल्बानी व मालिक व
 दरबील हैं। जिंसमे मेरे अलावा अन्य
 कोई हकदार व हिस्सेदार आदि नहीं है
 जो कि मेरे किसी प्रकार के हस्तांतरण
 आदि में बाधक हो सके। उक्त शर्त
 ग्राम सभा, सीलिंग व पट्टे आदि की
 नहीं है तथा आज तक हर प्रकार
 के ऋण व भार व बैं. व मु. बैं. आदि
 से कतरि पाक व साफ है। अब चुंनि



1.11.2021
 P. Kumar

पढ़ा.....
 सुना.....

उ० नि०

5000Rs.



(3)

मिन मुक्तिर की स्व आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु रूपों की प्रति आवश्यकता है, इसलिए उपरोक्त कुल भूमि का विक्रय करना सहर्ष स्वीकार है। अतः श्रव सौच समझकर उपरोक्त कुल भूमि का विक्रय मय जुम्मा एक व एक के व समस्त सुख साधन आदि के व ऐवज मुवालिग ३५००००/- तीन लाख -



Handwritten signature in blue ink.

पढ़ा.....
सुना.....

30 नो

5000Rs.



(फ)

चालीस हजार रुपया में, जिनके आधे
 मुवलिंग १६००००/- एक लाख सतर
 हजार रुपया होते हैं बदस्त श्री
 डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री
 विजय कुमार गुप्ता बहोसिपत निदेशक
 शांति निवेदन कॉलेज ऑफ विजनिस् -
 मैनेजमेंट एण्ड कंप्यूटर साइंस, नागपुर
 आगरा जिला आगरा के नाम कर दिया
 व कर्तबेच दिया। उक्त विक्रीत कुल
 धन मुवलिंग ३४००००/- तीन लाख चालीस



11/11/2019
 11/11/2019

पढ़ा.....
 सुना.....

३६१०



(५)

द्वारा स्वयं सुरक्षा की दृष्टि से पेश्वर
घर पर प्राप्त कर लिये हैं। इस तरह
बाद बनाया मेरा कुछ भी प्राप्त करना
शेष नहीं रहा और न भविष्य में रहेगा
केशवश्रीमि पर क्रेता उक्त का कलज
व दखल करा दिया है तथा मालिक
काबिज व हजामी बना दिया है। मैं
उक्त को अधिकार दोगा कि वह ५
श्रीमि पर—जोह जिस तरह का लाभ
उठे तब उसी नाम का दालिम-खा

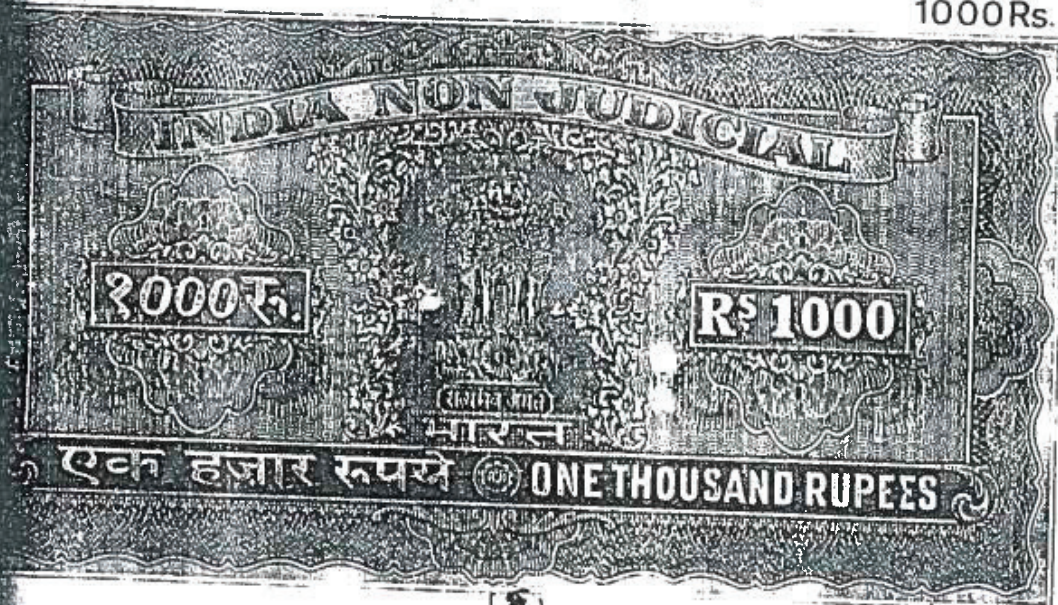


मि. गुप्ता

मि. गुप्ता

हस्ता...
मुता...

५० मि०



(६)
महकमा माल में कहा लें। जिसमें मिन
मुकिए को कोई उजा न होगा।
बनामा दाजा में कानूनी मुकशा की
गारदी मिन मुकिए व वारिसान में
की होगी। इस प्रकार बेशुदा श्रम से
मिन मुकिए व वारिसान में का कोई
सम्बन्ध व लोकार नही रहा है जो
न अविलम्ब में रहेगा। उक्त आजी कृषि
योग्य श्रम है तथा सिंचित है। तथा
सड़क से ५०० मीटर की अधिक दूरी पर



सि. गो. प.

सि. गो. प.

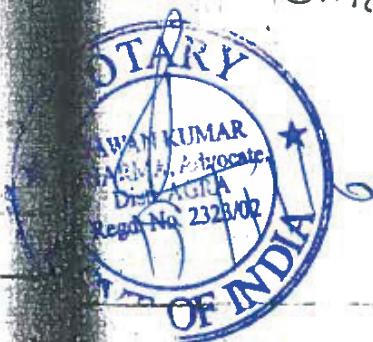
सि. गो. प.

सि. गो. प.

6385



स्थित है। उक्त साहजी की सरकारी
मालिकता निर्धारित रेट 60000/- सतर
हजार रुपये प्रति बीघा की दर से
मुकदमा 364000/- तीन लाख
चौसठ हजार रुपये होनी है जिस
पर रुटाम्य अदा किया गया है।
अन्य मुकदमा पानी विक्रेता अनुसूचित -
जाति, जनजाति का नहीं है। अतः



सिद्धांत
मिनी



30 नो

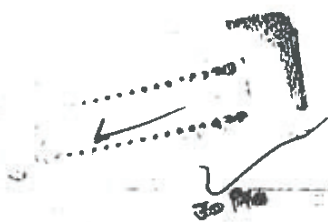


८५

रख सोच समझकर स्नातक चित्त,
 मन, बुद्धि, इन्डिय के मिला नदकोपे
 व विला सेवन केपे किसी -
 भादक वस्तु के व विला किसी
 दवाव नाजायज के रख पद, सुन
 व समझकर पूर्ण होश - दवाव में -



मिनिगुलप
 मिनिगुलप





(4)
यह विक्रय पत्र लिख दिया कि

सन २०१६ व समग्र पर व्यापक सर्वे

लेख दिनांक ३०-३-२०२२ ई व मलम



Shawankumar
Shawankumar

30/3/20



मैदरा-चन्द बंसल एडवोकेट तहसील ज्येठ

खैरागढ़ जिला आगरा । बिक्रेता ब क्रेता

के दोरो शकल है मिलाकर व

गवाहों की शिनाहट के आधार पर

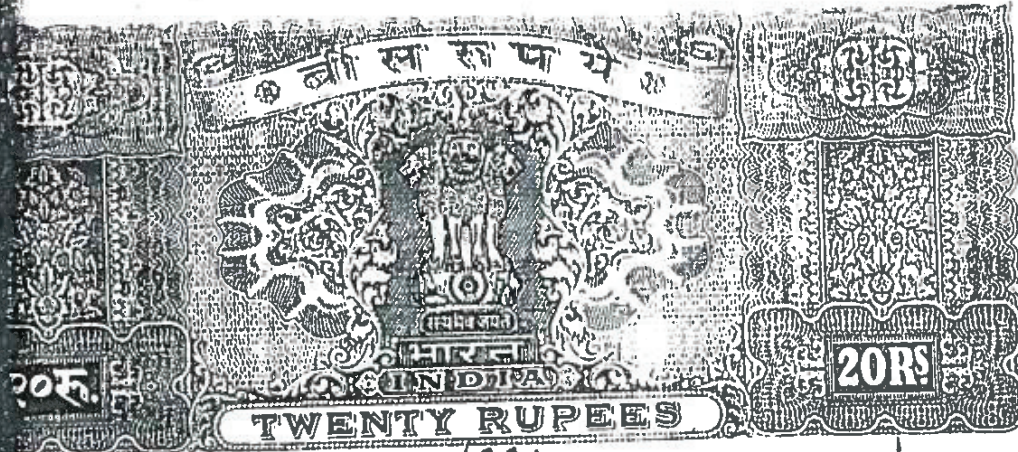
पुत्राजित कर चरपा है । मोर पर -

१ की सतर ५ में लेखा के बाद का



बिक्री गुप्त
अग्रेज





(99)
 लिखा करा है व पर्त 16 की सतर 6 में
 कम्प्यूटर व साइंस के मध्य लिखा
 करा है जो स्वीकार है। तद्विती तारीख
 सन सप्त।

Chandrasekhar
 30-3-2002

Aganap
Aganap

गवाह श्री— विजय कुमार बंसल पुत्र श्री
 गंगाप्रसाद बंसल निवासी बान्सा
 खेरागाँव तह. खेरागाँव जि. अमरा

विजय कुमार बंसल — विजय कुमार बंसल

गवाह-श्री— अशोक कुमार पुत्र श्री बलचंद
 नि. सैफा बहाल जि. 24/23 B
 उंचीनगर अमरा जि. अमरा



Cd/20 N. 267/012



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

70AC 273621

नकाशे: 100/4/72/8. 17-1-05

100/4/72/8 के लक्ष्य दागल प्रति सत्यापित

नकाशे: 100/4/72/8

प्रमाणित
दि. 17-1-05
26-5-05





शुद्धी - पत्र

हम कि अशोक कुमार पुत्र श्री डालचन्द कौम वैश्य अग्रवाल निवासी संया व हाल निवासी 25/53 बी गांधी नगर आगरा जिला आगरा ----- प्रथमपक्षकार शान्ति निकेतन कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस द्वारा निदेशक डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री विजय कुमार गुप्ता निवासी 2/363 नामेर आगरा ----- विद्वतीय पक्षकार हैं विदित हो कि मु. प्रथम पक्षकार ने बहक विद्वतीय पक्षकार के एक पंजीकृत बेनामा दिनांक 30-3-2002 को - आराजी बाकें मौजा तेहरा परगना व तहसील खोरागढ जिला आगरा के गाटासंख्या पुरानी 123 मि. व नवीन गाटा संख्या 260 क रक्का 0-6050 है। तगानी - 19-70रुपया का किया है जिस की रजिस्टरी प्र० पु० संख्या 1 के छान्ड संख्या 764 के प्र० संख्या 361/380 की क्रम संख्या 847 पर दिनांक 30-3-02 को उप निबंधक मजिस्ट्रेट खोरागढ में की गई है। विदित हो कि उक्त बेनामा में डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री विजय कुमार गुप्ता बहसियत निदेशक शान्ति निकेतन कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस 2/363 नामेर आगरा जिला आगरा भावता लिखा गया है जब कि उक्त बेनामा में केता / विद्वतीय पक्षकार शान्ति निकेतन कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस आगरा द्वारा निदेशक डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री विजय कुमार गुप्ता निवासी 2/363 नामेर आगरा अंकित होना चाहिये था मूल अभिलेख में डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री विजय कुमार गुप्ता बहसियत निदेशक शान्ति निकेतन कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस 2/363 नामेर आगरा जिला आगरा के स्थान पर शान्ति निकेतन कालेज आफ बिजनेस मैनेजमेंट एन्ड कम्प्यूटर साइंस आगरा द्वारा निदेशक डा० अभिषेक कुमार गुप्ता पुत्र श्री विजय कुमार गुप्ता निवासी 2/363 नामेर आगरा पटा जाय जो सत्य स्वस्तही है



पदा.....
सुना.....

30/03/02



-2-

जिस में हम दोनों पक्षकारान पूर्ण रूप से सहमत है उक्त शुद्धी पत्र से दस्तावेज की प्रकृति पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है अतः हम दोनों पक्षकारान ने स्वस्था धित मन शुद्धि इन्द्रिय के व छूट सोच समझ कर यह शुद्धी पत्र लिखा दिया किनद हो और समय पर काम आवे लेखा दिनांक 10-1-2005 व मतोदा प्रदीप कुमार कुष्ठरेष्ठ सड़पोकेट तहसील खोरागढ जिला आगरा व टाइप वाई रोशन छाी टाइपिस्ट तहसील खोरागढ जिला आगरा । नोट- पत्त 1 की सतर 2 में निवासी व 25/53 बी के मध्य का लिखा कटा है व सतर 4 में निवासी व विजय कुमार के मध्य गुप्ता बालाये सतर लिखा है जो स्वीकार है तहरीर तारीख रान सदर ।

[Handwritten signatures and names]

श्री गज चोमगर भा

[Handwritten signatures and names]

[Handwritten signatures and names]



पक्ष.....
सुना.....

उम मि०

Copy No 308/15

भारतीय गैर न्यायिक

दस
रुपये
रु.10



TEN
RUPEES

Rs.10

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH आर एच डिप्टी एलएम B6a 70AC 033925

10/- का न्यायिक गैर न्यायिक 308/15 के साथ जुड़ा है
गैर न्यायिक: मनीष कुमार





(१) विष्णु-पत्त

- वि०मू० - १०००००। -
- प्रालिपत - १३००००। -
- दर - ६००००। - प्रति बीघा
- रुपय - १३६००। -
- मोजा - तेहरा

मैं कि विशनस्वरूप पुन श्री जलचंद कौग
वैश्य अग्रवाल निवासी १५/५३ गाँधी नगर
आगरा जिला आगरा का हूँ। जो कि
मे मुक्ति आरंजी बॉक मोजा तेहरा -
तहसील खेरागढ़ जिला आगरा के नवीन
गाया सेरखा २६२

०.३६८८५ व २६८
०.१०६३६०

Bishu Singh
13/5/1952



सुना.....



(२)

किता २ रक्का कुल १.२६५० हे० —
 लगानी ३५.५० रु० में से $\frac{१}{३}$ भाग —
 रसदी रक्का ०.४२५० हे० लगानी रसदी
 १९.८५ रु० का संकलनीय भूमिधार
 मालिक काविज व त्वाजी व परवील
 व अनुसार खाता संख्या ७८७ के हैं।
 जिसमें मेरे अलावा अन्य कोई हक्दार
 व हिस्सेदार आदि नहीं है जो कि
 मेरे किसी प्रकार के हस्तांतरण आदि
 में बाधक हो सके। उक्त रसदी रक्का
 मेरा वैधानिक अंश है। जो मैं आज -



Anand Kumar

13/11/11

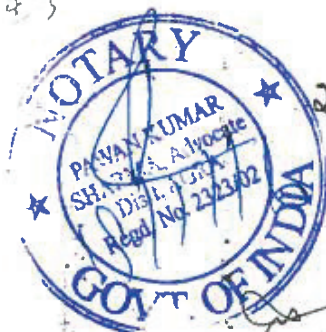
पढ़ा.....
 सुना.....



(3)

तब हर उच्चार के ऋण व भार व मात्रा व वं० व प्र० वं० आदि से कतरि पाक व साफ हैं। जिसके विक्षप आदि के समस्त अधिकार मिन मुक्ति के जात हैं। जब चूंकि मिन मुक्ति के — स्वआवश्यकताओं की पूर्ति हेतु संपत्ति की उत्तरी आवश्यकता है, इसलिए — उपरोक्त शब्दावली को विक्षपकता निश्चय विधा है। अतः सब सौच

समस्तक उपरोक्त रक्त्वा रसदी न्दो



Bischof Agn.

12, 14, 15, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849,



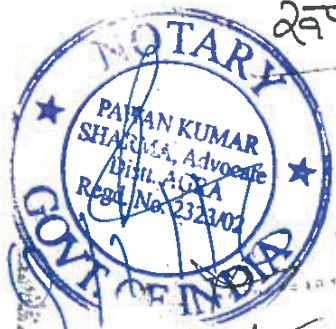
(५)

मप जुम्मा एक व एक व तमात

सुरा साधन आरि के बऐवज मुबलिया

१७००००/- एक लाख सतर हजार

खपपा में जिनके जाये मुबलिया



Attestd by me

13/06/2020



— ८५०००/- पिचासी हजार रूपया —

होते हैं वदस्त श्री डा० अभिषेक

कुमार गुप्ता पुत्र श्री विजय कुमार

गुप्ता व हॉस्पिटल निदेशक शांतिनिकेतन

कॉलेज ऑफ विजनिंग मैनेजमेंट एण्ड



Bushy Agency

Bushy Agency

सुना.....

उ० वि०



(क)
कम्प्यूटर साइंस, २/३६३ नामनेर

जागरा जिला जागरा के नाम कर

दिपा व कर्तार बेच दिपा। उक्त

विशेष धन कुल मुवालिग १६००००/-



सुना

उ० नि०

सुरक्षा की दृष्टि से पेशत

13/04/2019

13/04/2019

1000Rs.



(6)

घर पर प्राप्त कर लिपा है। में

गुफिर अनुसूचित जाति का नही

है। उम्मत श्रीमि सिंचित है। पर

60000/- प्रति बीघा है जिसके

हिसाब से विक्रीत रकवा की-



Bishnu Sharma
Bishnu Sharma

1000Rs. 1000Rs.
1000Rs. 1000Rs.

देवेन्द्र कुमार अर्या
राम्य विप्रेता (ला० न० 7)
इसीन बेरागड बिला बागरा



(रु)
मालिफत मुवलिग १३००००/- रूपया

दोती है जबकि असल व वास्ते

विक्रय वास्तविक मुवलिग १६००००/-

रूपया होने के कारण सरकारी

राम्य मुवलिग १६००००/- एक

लाख सत्तर हजार रूपया पर

हो जदा किचा गया है। -

Bish. Aggarwal

Bish. Aggarwal



Bish.

18758

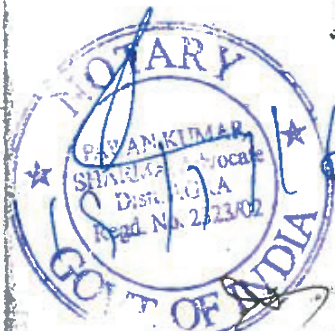
वैन्द्र कुमार शर्मा
 तम् विशेष (नं० ७)
 सोन खेराड जिला



विहीन रक्कत रक्कत की वावत केला
 की उक्त दिसिपत में महकमा माल
 में दारिबल - खारिज कराने का
 अधिकार रहेगा। कज्जा व ११११
 आज की तारीख में ही केला उक्त
 का दे दिया गया है। इस तरह
 अब मुक्त मुक्ति व वारिदान मेरे
 की केजुदा रक्कत से कोई सम्बन्ध
 का सेवकार नहीं रहा और न

Bhishm Singh

Bhishm Singh



5

Bhishm

10758
 पं. कुमार जय
 स्टाम्प विक्रेता (ला० न० 7)
 इन्दौर जिला अदालत



(१०)
 आवेष्प में रहेगा। बेनामा हाजा में कानूनी
 पुश्ता की गोदती में मुक्ति पर होगी यानी
 थोड़े बड़े बेनामा विक्रीत रकबा की वाकत
 में विक्रय सम्बन्धी स्वत्व में किसी
 प्रकार का कानूनी पुश्ता उकाट होता है जो
 उसका पूर्ण दाखिल में मुक्ति पर होगा। -
 इस गांव की श्रमि सड़क सारंग की नदी के
 ओर सड़क से काफी दूर पानी ५०० मीटर से
 अधिक दूर है। भूत रबीचदा पूर्वक विला
 जहाजे व विला से वहा छिजे किसी भाव
 पक्ष के रकब पुन व नमसकर व पदकर
 पद बेनामा विला किसी वाक नाजापज
 के लिए दिया कि सनद रहे व समय
 पर काम आवे। तद्विरी तारीख ३०-३-२००२
 जगलम प्रदेरा-चन्द बंसल वरुवोके तद्विरी
 खेराग. जिला आगरा। कोले मुक्ति (न-



Bishnu Mishra
 Bishnu Mishra

15752
देवेन्द्र कुमार दत्त
स्टाम्प विक्रेता (ला० न०
नवलोक भेरागढ़ जिला अ



(११)
शक्ल है मिलाकर व गवाहों की पहचान पर
मेरे द्वारा प्रमाणित कर दिया है तद्वि
तारीख सेन सपर।

Bishnu Agarwal
Bishnu Agarwal

30-3-2002

गवाह श्री - प्रमोद कुमार पुता श्री -
मुन्नालाल नि० B-६३ भंगवान-
नगर वल्लेश्वर आगा। डि
आगा

प्रमोद कुमार



गवाह श्री - जेधेश चन्दा बंसल एडवोकेट
तद्विनील कोटि (बेरागढ़-
आगा। वल्लेश्वर

30-3-2002

30-3-2002